

जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की मान्यता प्राप्त करने में मध्य प्रदेश प्रथम चर्चा में क्यों?

27 अगस्त, 2021 को जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिये [राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड \(NABL\)](#) से मान्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले राज्यों में **मध्य प्रदेश प्रथम स्थान** पर रहा है।

प्रमुख बटु

- **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग** की प्रदेश में राज्य और जिलास्तरीय 51 प्रयोगशालाओं को **प्रत्यायन बोर्ड (NABL)** द्वारा मान्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गए हैं। देश की विभिन्न जल परीक्षण प्रयोगशालाओं हेतु मान्यता प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश प्रथम एवं महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है।
- आम नागरिक को प्रदाय किये जा रहे जल की गुणवत्ता का समय-समय पर परीक्षण किये जाता है। इसके लिये प्रदेश **मैनेजमेंट विभाग** द्वारा **एक राज्यस्तरीय और 55 जिलास्तरीय** (इनमें उन्नयन की गई खुरई, मऊगंज, सरदारपुर तथा परासिया शामिल हैं) प्रयोगशालाएँ संचालित हैं। इसके अतिरिक्त **100 उपखंडस्तरीय प्रयोगशालाएँ** भी संचालित हैं।
- पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये विभिन्न राज्यों द्वारा अपनी जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के प्रमाणीकरण हेतु निर्धारित मापदंडों और शुल्क के साथ आवेदन दिये जाते हैं।
- राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (**NABL**) से अब तक 25 राज्यों की 182 जल परीक्षण प्रयोगशालाओं को जारी किये गए मान्यता प्रमाण-पत्रों में **मध्य प्रदेश की सर्वाधिक 51 प्रयोगशालाएँ शामिल हैं।**